समस्तीपुर जिला (बिहार) के अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों की शैक्षिक स्थिति का भौगोलिक अध्ययन

सुरज कुमार पासवान
शोध छात्र
विश्वविद्यालय भूगोल विभाग
बी0 आर0 अम्बेडकर बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर।

शोध सारांश : साक्षरता के प्राचलिक द्वारा किसी भी समाज या राष्ट्र की सांस्कृतिक प्रगति का परिमाण निर्धारण किया जा सकता है। जनसंख्या का यह एक गुणात्मक नियामक भी माना जाता है। व्यक्ति एवं समाज को प्रत्येक दृष्टि से जागरूक बनाये रखने में इसका बड़ा ही महत्व है। जनसंख्या की राष्ट्रीय नीतियों का सही मूल्यांकन भी एक साक्षर समाज ही कर सकता है। अध्ययन क्षेत्र के लिये यह और भी अधिक प्रासंगिक है जहॉ जनसंख्या के प्रति लोगों का दृष्टिकोण एक दूसरे से काफी भिन्न है। इसके विपरीत निरक्षरता आर्थिक विकास की राह में एक बड़ी बाधा है। अतः समाज के सर्वांगिन विकास के लिये न्यूनतम् स्तर की साक्षरता प्रत्येक व्यक्ति के लिये परमावश्यक है। राष्ट्रीय दायित्व के रूप में सुधारात्मक उपायों की स्वीकार्यता भी व्यक्ति में साक्षरता द्वारा ही आती है। इस शोध में हमने समस्तीपुर जिला बिहार में अनुसूचित जाति एवं जनजाति की शैक्षिक स्थिति का भौगोलिक अध्ययन किया है।

मुख्य शब्द : शैक्षिक स्थिति अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, समस्तीपुर

प्रस्तावना : यूनाइटेड नेशन्स एडुकेशनल, साइन्टिफिक एंड कल्चरल ऑरगेनाइजेशन ने 2004 में पहचान, समझ, विश्लेषण, अभिलेखन, अभिव्यक्ति, परिकलन एवं भिन्न–2 संदर्भों से जुड़ी मुद्रित एवं लिखित विषय–वस्तुओं के उपयोग की क्षमता को साक्षरता के रूप में परिभाषित किया है (यूनेस्को, 2004)। व्यक्ति को उसके लक्ष्यों की प्राप्ति, संकल्प क्षमता की अभिवृद्धि तथा सामुदायिक एवं सामाजिक हित के कार्यों में सहभागिता हेतु लगातार अनुप्रेरित करनेवाली यह एक शैक्षिक प्रक्रिया भी है।

राष्ट्रीय साक्षरता योजना (नेशनल लिटरेसी मिशन, 1988) ने साक्षरता का अर्थ पढ़ने, लिखने तथा अंक परिगणन की क्षमता का दैनिक जीवन में व्यवहृत किये जाने से किया है।

भारत की जनगणना, 1991 में अपनायी गयी परिभाषा के अनुसार साक्षरता के दो प्रकार – (1) साक्षरता दर एवं (2) अशोधित साक्षरता दर चिन्हित किये गये हैं। इनमें प्रथम जहॉ 7 वर्षों से अधिक आयु की जनसंख्या के प्रतिशत के रूप में अभिव्यक्त है, दूसरा कुल जनसंख्या के प्रतिशत के रूप में परिकलित किया जाता है।

साक्षरता को प्रभावित करने वाले कारकों में अर्थतंत्र, नगरीकरण, रहन–सहन के स्तर, स्त्रियों की हैसियत एवं धार्मिक अवधारणाओं पर आधारित जीवन मूल्य प्रमुख हैं। नगरीकरण एवं औद्योगीकरण से पोषित अर्थतंत्र में साक्षरता का दर प्रायः उच्चतर होता है। औद्योगिक एवं नगरीकृत क्षेत्र में क्योंकि जनसंख्या इन प्रक्रियाओं के प्रारंभ के पूर्व या साथ ही साक्षर बनी होती है, साक्षरता का दर वहॉ ग्रामीण क्षेत्र की तुलना में सर्वथा उच्चतर रहता है। कालान्तर में नगरीकरण एक सबल कारक के रूप में साक्षरता दर को उत्तरोत्तर रूप से बढ़ाता जाता है। ऐसा ही सकारात्मक इसका सह–संबंध रहन–सहन के स्तर से भी है। विशेषकर बच्चों को साक्षर एवं शिक्षित बनाने में जननी के रूप में स्त्रियों की भूमिका महत्वपूर्ण है। धार्मिक अवधारणाओं से निर्देशित जीवन मूल्य शिक्षा के प्रति लोगों की प्रवृतियों को सर्वाधिक प्रभावित करते हैं। दूसरी ओर कृषि–प्रधान सामाजिक–आर्थिक व्यवस्था में जहॉ वंशानुगत प्रवृतियों पर आधारित जाति प्रथा का उद्‌भव हुआ हो, वह साक्षरता के प्रचार–प्रसार में निश्चित रूप से बाधक है।

सामाजिक, राजनैतिक एवं आर्थिक अनेकानेक कारकों के बीच साक्षरता दर को प्रभावित करने वाले मुख्य कारकों में अर्थव्यवस्था के प्रकार, नगरीकरण की गति, रहन–सहन का स्तर, स्त्रियों की हैसियत एवं जीवन मूल्य जैसे प्रतिकारक उल्लेखनीय हैं। अनुभव के अनुसार भिन्नताओं से युक्त औद्योगिक एवं नगरीकृत अर्थव्यवस्था में साक्षरता का उच्च दर पाया जाता है जबकि परम्परागत कृषीय समाज में यह अपेक्षाकृत न्यूनतर होता है। नगरीकरण का स्तर अकेला सबसे प्रभावशाली कारक है जो इसके स्थानिक प्रारूप को किसी भी क्षेत्र में निर्धारित करता है। समाज में स्त्रियों के स्थान के अनुसार ही साक्षरता के अनुपात में अन्तर आता है। बच्चों को शिक्षित एवं साक्षर बनाने में माता के रूप में स्त्रियों की भूमिका अद्वितीय एवं अनुपम है। इसके अतिरिक्त धार्मिक विश्वासों के द्वारा नियंत्रित जीवन मूल्य लिखने, पढ़ने एवं शिक्षित होने के प्रति लोगों की प्रवृति को प्रभावित करता है।

साक्षरता समाज की एक सांस्कृतिक धरोहर भी होती है। इस दृष्टि से समस्तीपुर जिला की कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था में वंशानुगत वृतियों से लिप्त जाति प्रथा साक्षरता के प्रसार में बाधक है। यहाँ साक्षरता का वर्तमान दर समाज सेवियों, गैर सरकारी संगठनों और सरकारी विभागों के प्रयासों का प्रतिफल है। "हर एक पढ़ाये, हर एक को" के नारे से जिला में साक्षरता अभियान को बल मिला है।

साक्षरता की स्थानिक भिन्नतायें

साक्षरता दर की स्थानिक तथा कालिक परिवर्तनियताओं का प्रदर्शन तालिका 5.1 में किया गया है। 2011 की जनगणनानुसार 6 वर्ष से ऊपर की कुल जनसंख्या का जिला स्तर पर 61.86 प्रतिशत साक्षर के रूप में परिकलित है जो बिहार राज्य (61.80 प्रतिशत) से थोड़ा ज्यादा है परन्तु राष्ट्रीय औसत (73.00 प्रतिशत) से न्यूनतर है। जिला औसत दर से उच्चतर साक्षरता दर वाले अंचल पुसा (71.93 प्रतिशत), समस्तीपुर (71.64 प्रतिशत), ताजपुर (69.63 प्रतिशत), दलसिंहसराय (64.66 प्रतिशत), उजियारपुर (64.16 प्रतिशत), सरायरंजन (63.46 प्रतिशत), विभूतिपुर (63.06 प्रतिशत), पटोरी (62.33 प्रतिशत) एवं विद्यापतिनगर (62.15 प्रतिशत) है। जिला औसत दर से न्यूनतर साक्षरता दर वाले अंचल मोहिउद्दीनगर (61.63 प्रतिशत), मोरवा (61.59 प्रतिशत), रोसड़ा (61.56 प्रतिशत), वारिसनगर (60.92 प्रतिशत), कल्याणपुर (59.26 प्रतिशत), शिवाजीनगर (58.54 प्रतिशत), खानपुर (57.77 प्रतिशत), हसनपुर (57.26 प्रतिशत), मोहनपुर (55.60 प्रतिशत), सिंधिया (52.16 प्रतिशत) एवं बिथान (48.01 प्रतिशत) हैं (चित्र–4.1)। इन स्थानिक प्रतिरूपों से स्पष्ट है कि साक्षरता दर पर शहरीकरण और रेल तथा सड़क से प्राप्त परिवहन तथा संचार सुविधाओं की भूमिका प्रमुख है। उच्चतर साक्षरता का कारण रेल एवं सड़क की सुविधा के साथ शहरीकरण का प्रभाव स्पष्ट रूप से अध्ययन क्षेत्र में परिलक्षित होता है जबकि रेल, सड़क एवं शहर से दूरस्थ अंचलों में साक्षरता का दर कम पाया जा रहा है। सबसे उच्चतर साक्षरता पुसा अंचल में पाया जाता है जहॉ राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय अवस्थित है उसके बाद समस्तीपुर अंचल में जो जिला का मुख्यालय भी है में सरकारी एवं गैर–सरकारी महाविद्यालयों एवं विद्यालयों की संख्या प्रचुरता में पायी जाती है।

तालिका– 1

समस्तीपुर जिला : समग्र जनसंख्या की साक्षरता, 2011

क्र.सं.	अंचल	कुल जनसंख्या	6 वर्ष आयु की कुल जनसंख्या	साक्षर	साक्षरता प्रतिषत
1	*2*	*3*	*4*	*5*	*6*
1	कल्याणपुर	310439	58145	149500	59.26
2	वारिसनगर	216123	41396	106441	60.92
3	शिवाजीनगर	193850	35851	92489	58.54
4	खानपुर	195729	37767	91248	57.77
5	समस्तीपुर	346109	58098	206317	71.64
6	पुसा	132932	22280	79595	71.93
7	ताजपुर	161626	28392	92766	69.63
8	मोरवा	186075	35050	93019	61.59
9	पटोरी	179956	34713	90524	62.33
10	मोहनपुर	115032	21191	52174	55.60
11	मोहिउद्दीनगर	184521	34305	92574	61.63
12	सरायरंजन	254835	47558	131529	63.46
13	विद्यापतिनगर	152916	28383	77400	62.15
14	दलसिंहसराय	208818	38660	110017	64.66
15	उजियारपुर	297811	54648	156012	64.16
16	विभूतिपुर	338149	62739	173678	63.06

17	रोसड़ा	200624	37285	100550	61.56
18	सिंघिया	210035	43855	86686	52.16
19	हसनपुर	227421	45331	104269	57.26
20	बिथान	148565	31734	56092	48.01
समस्तीपुर जिला		4261566	797381	2142880	61.86

उपरोक्त तालिका के अध्ययन के आधार पर अध्ययन क्षेत्र में की जनसंख्या को साक्षरता दर के आधार पर निम्नांकित चार श्रेणी वर्गों में विभक्त किया जा सकता है जिसे मानचित्र 1 में दिखलाया गया है:

1. **अति उच्च साक्षरता दर वाले अंचल (65 प्रतिशत से अधिक) :** इस श्रेणी वर्ग के अंतर्गत वैसे अंचलों को रखा गया है जिसकी साक्षरता दर 65 प्रतिशत से उच्च है। इस श्रेणी वर्ग का निर्माण पुसा (71.93 प्रतिशत), समस्तीपुर (71.64 प्रतिशत), ताजपुर (69.63 प्रतिशत) अंचलों द्वारा होता है जहॉ नगरीकरण के प्रभाव के साथ–साथ विद्यालयों एवं महाविद्यालयों की संख्या प्रचुरता में पायी जाती है। साथ ही सड़क एवं रेल सुविधाओं की भी उपलब्धता अच्छी है।

2. **उच्च साक्षरता दर वाले अंचल (60–65 प्रतिशत) :** इस श्रेणी वर्ग के अंतर्गत 60 प्रतिशत से 65 प्रतिशत तक की साक्षरता दर वाले अंचलों को रखा गया है। इस श्रेणी वर्ग का निर्माण दलसिंहसराय (64.66 प्रतिशत), उजियारपुर (64. 16 प्रतिशत), सरायरंजन (63.46 प्रतिशत), विभूतिपुर (63.06 प्रतिशत), पटोरी (62.33 प्रतिशत), विद्यापतिनगर (62.15 प्रतिशत), मोहिउद्दीनगर (61.63 प्रतिशत), मोरवा (61.59 प्रतिशत), रोसड़ा (61.56 प्रतिशत) एवं वारिसनगर (60.92 प्रतिशत) अंचलों द्वारा होता है। यह श्रेणी वर्ग द्वारा जिला के सबसे अधिक (10) अंचलों का प्रतिनिधित्व प्राप्त होता है जो जिला के कुल अंचलों का आधा है। ये सभी अंचल या तो शहर के समीपस्थ हैं या यातायात के साधन शहर तक की पहुँच के लिये सुगमता से उपलब्ध हैं।

3. **मध्यम साक्षरता दर वाले अंचल (55–60 प्रतिशत):** इस श्रेणी वर्ग का निर्माण जिला के 5 अंचलों द्वारा होता है। इनकी अवस्थिति शहरी क्षेत्रों से दूरस्थ होने के कारण साक्षरता का दर मध्यम है। इस वर्ग के निर्माणकारी संघटक अंचल कल्याणपुर (59.26 प्रतिशत), शिवाजीनगर (58.54 प्रतिशत), खानपुर (57.77 प्रतिशत), हसनपुर (57.26 प्रतिशत) एवं मोहनपुर (55.60 प्रतिशत) हैं।

4. **निम्न साक्षरता दर वाले अंचल (55 प्रतिशत से निम्न) :** निम्न साक्षरता दर वाले अंचल अध्ययन क्षेत्र में दो ही हैं जो अध्ययन क्षेत्र के सुदूर पूर्वी भाग में अवस्थित हैं। ये अंचल हैं सिंधिया (52.16 प्रतिशत) एवं बिथान (48.01 प्रतिशत)। ये दोनों अंचल जिला के पिछड़े अंचल हैं जहॉ यातायात के सीमित साधन मौजुद हैं।

पुरूष साक्षरता (समग्र जनसंख्या) (चित्र–5.2)

अध्ययन क्षेत्र में निवास करने वाले पुरूषों की साक्षरता दर को तालिका 2 में दिखलाया गया है।

तालिका– 2

समस्तीपुर जिला : समग्र जनसंख्या की पुरूष साक्षरता, 2011

क्र.सं.	अंचल	कुल पुरूष जनसंख्या	< 6 वर्ष आयु की कुल पुरूष जनसंख्या	पुरूष साक्षर	साक्षरता प्रतिषत
1	*2*	*3*	*4*	*5*	*6*
1	कल्याणपुर	160444	30027	89269	68.45
2	वारिसनगर	113601	21639	63460	69.01
3	शिवाजीनगर	101771	18838	58164	70.13
4	खानपुर	102037	19530	55883	67.73
5	समस्तीपुर	182684	30271	120941	79.35
6	पुसा	69662	11653	46578	80.29
7	ताजपुर	85179	14987	54303	77.36
8	मोरवा	97011	18231	56418	71.61

9	पटोरी	94760	18338	55042	72.02
10	मोहनपुर	61140	11221	31869	63.84
11	मोहिउद्दीनगर	97241	18045	55641	70.26
12	सरायरंजन	132000	24559	78475	73.04
13	विद्यापतिनगर	80391	14750	46461	70.78
14	दलसिंहसराय	109268	19937	65465	73.28
15	उजियारपुर	156349	28455	94389	73.8
16	विभूतिपुर	176174	32258	104677	72.73
17	रोसड़ा	105112	19294	60693	70.72
18	सिंघिया	109251	22478	55217	63.63
19	हसनपुर	119193	23607	64893	67.89
20	बिथान	76735	16468	35737	59.3
समस्तीपुर जिला		2230003	414586	1293575	71.25

जैसा कि तालिका 2 से स्पष्ट है कि अध्ययन क्षेत्र के कुल जनसंख्या में पुरूषों का साक्षरता दर 71.25 प्रतिशत है। जिला औसत दर से उच्चतर साक्षरता दर वाले अंचल पुसा (80.29 प्रतिशत), समस्तीपुर (79.35 प्रतिशत), ताजपुर (77.36 प्रतिशत), उजियारपुर (73.80 प्रतिशत), दलसिंहसराय (73.28 प्रतिशत), सरायरंजन (73.04 प्रतिशत), विभूतिपुर (72.73 प्रतिशत), पटोरी (72.02 प्रतिशत) एवं मोरवा (71.61 प्रतिशत) हैं जबकि जिला औसत दर से न्यूनतर साक्षरता दर वाले अंचल विद्यापतिनगर (70.78), रोसड़ा (70.72 प्रतिशत), मोहिउद्दीनगर (70.26 प्रतिशत), शिवाजीनगर (70.13 प्रतिशत), वारिसनगर (69.01 प्रतिशत), कल्याणपुर (68.45 प्रतिशत), हसनपुर (67.89 प्रतिशत), खानपुर (67.73 प्रतिशत), मोहनपुर (63.84 प्रतिशत), सिंधिया (63.63 प्रतिशत) एवं बिथान (59.30 प्रतिशत) हैं (चित्र–4.2)। इन स्थानिक प्रतिरूपों से स्पष्ट है कि पुरूषों का साक्षरता दर भी अंचलों के हिसाब लगभग समरूपी है।

महिला साक्षरता (समग्र जनसंख्या) (चित्र–3)

समग्र जनसंख्या की महिला साक्षरता से तात्पर्य यह है कि अध्ययन क्षेत्र की समग्र महिला जनसंख्या में साक्षर महिलाओं की भागीदारी कितनी है। समग्र जनसंख्या की महिला साक्षरता को तालिका 5.3 में प्रदर्शित किया गया है। तालिका के अध्ययन से स्पष्ट है कि समस्तीपुर जिला में महिलाओं की औसत साक्षरता दर 51.51 प्रतिशत है जो पुरूषों की साक्षरता से लगभग 20 प्रतिशत न्यून है। अर्थात् महिलाओं में साक्षरता के प्रति रूझान का अभाव पाया जाता है। हालांकि विगत कुछ वर्षों में महिलाओं की साक्षरता में सुधार देखा गया है यह महिलाओं के प्रति सरकारी और गैर–सरकारी संगठनों द्वारा किये गये प्रयासों का प्रतिफल है। आज महिला सशक्तीकरण की ओर काफी प्रयास किये जो रहे हैं।

तालिका– 3

समस्तीपुर जिला : समग्र जनसंख्या की महिला साक्षरता, 2011

क्र. सं.	अंचल	कुल महिला जनसंख्या	< 6 वर्ष आयु की कुल महिला जनसंख्या	महिला साक्षर	साक्षरता प्रतिषत
1	*2*	*3*	*4*	*5*	*6*
1	कल्याणपुर	149995	28118	60231	49.42
2	वारिसनगर	102522	19757	42981	51.93
3	शिवाजीनगर	92079	17013	34325	45.73
4	खानपुर	93692	18237	35365	46.87

5	समस्तीपुर	163425	27827	85376	62.96
6	पुसा	63270	10627	33017	62.72
7	ताजपुर	76447	13405	38463	61.01
8	मोरवा	89064	16819	36601	50.66
9	पटोरी	85196	16375	35482	51.56
10	मोहनपुर	53892	9970	20305	46.23
11	मोहिउद्दीनगर	87280	16260	36933	52.00
12	सरायरंजन	122835	22999	53054	53.14
13	विद्यापतिनगर	72525	13633	30939	52.54
14	दलसिंहसराय	99550	18723	44552	55.12
15	उजियारपुर	141462	26193	61623	53.46
16	विभूतिपुर	161975	30481	69001	52.47
17	रोसड़ा	95512	17991	39857	51.41
18	सिंघिया	100784	21377	31469	39.63
19	हसनपुर	108228	21724	39376	45.52
20	बिथान	71830	15266	20355	35.99
समस्तीपुर जिला		2031563	382795	849305	51.51

तालिका 3 के आधार पर समग्र जनसंख्या की महिला साक्षरता को भी चार श्रेणी वर्गों में विभक्त किया गया है। जिसके द्वारा महिलाओं की साक्षरता के स्थानिक भिन्नता के प्रारूप स्पष्ट करने का प्रयास किया गया है। ये श्रेणी वर्ग निम्न हैं:

1. **महिलाओं की उच्चतम् साक्षरता दर वाले अंचल (55 प्रतिशत से अधिक):** महिलाओं की उच्चतम साक्षरता दर का प्रतिनिधित्व भी समग्र और पुरूषों की साक्षरता जैसा ही है। हालांकि उच्चतम् साक्षरता दर की श्रेणी वर्ग में वर्गीकरण के आधार पर एक अंचल का आधिक्य पाया गया है। अर्थात् पुसा (62.72 प्रतिशत), समस्तीपुर (62.96 प्रतिशत) एवं ताजपुर (61.01 प्रतिशत) के अतिरिक्त दलसिंहसराय (55.12 प्रतिशत) अंचल ने अपने स्थान को एक श्रेणी उपर करते हुये उच्चतम् साक्षरता श्रेणी वर्ग में अपना स्थान दर्ज किया है। तालिका 5.3 के निरीक्षण से यह भी पता चलता है समग्र एवं पुरूष साक्षरता में पुसा ने अपना वर्चस्व कायम किया हुआ था परन्तु समस्तीपुर अंचल की महिलाओं ने पुसा के वर्चस्व को तोड़ते हुये थोड़े ही अंतर से परंतु प्रथम स्थान प्राप्त कर लिया है।

2. **महिलाओं की उच्च साक्षरता दर वाले अंचल (50–55 प्रतिशत के मध्य)** : उच्च साक्षरता दर वाले अंचलों के अंतर्गत उन अंचलों को प्रतिनिधित्व प्राप्त है जिनके महिलाओं की साक्षरता दर 50 प्रतिशत से 55 प्रतिशत के मध्य परिकलित है। महिलाओं की साक्षरता में भी यह श्रेणी वर्ग समग्र जनसंख्या एवं पुरूष जनसंख्या के साक्षरता की तरह सबसे अधिक अंचलों का प्रतिनिधित्व पाता है। इस श्रेणी वर्ग के अंतर्गत कुल 9 अंचलों को प्रतिनिधित्व प्राप्त है ये अंचल हैं – उजियारपुर (53.46 प्रतिशत), सरायरंजन (53.14 प्रतिशत), विद्यापतिनगर (52.54), विभूतिपुर (52.47 प्रतिशत), मोहिउद्दीनगर (52.00 प्रतिशत), वारिसनगर (51.93 प्रतिशत), पटोरी (51.56 प्रतिशत), रोसड़ा (51.41 प्रतिशत) एवं मोरवा (50.66 प्रतिशत)।

3. **महिलाओं की मध्यम साक्षरता दर वाले अंचल (45–50 प्रतिशत के मध्य):** इस श्रेणी वर्ग के अंतर्गत वैसे अंचलों को स्थान दिया गया है जिनमें महिलाओं की साक्षरता दर 45 प्रतिशत से 50 प्रतिशत के मध्य परिकलित है। इस श्रेणी वर्ग का निर्माण अध्ययन क्षेत्र के कल्याणपुर (49.42 प्रतिशत), खानपुर (46.87 प्रतिशत), मोहनपुर (46.23 प्रतिशत), शिवाजीनगर (45.73 प्रतिशत) एवं हसनपुर (45.52 प्रतिशत) अंचलों द्वारा होता है।

4. **महिलाओं की निम्न साक्षरता दर वाले अंचल (45 प्रतिशत से निम्न) :** निम्न साक्षरता दर की श्रेणी वर्ग का निर्माण वैसे अंचलों द्वारा किया गया है जिसमें समग्र जनसंख्या के महिलाओं की साक्षरता दर 45 प्रतिशत से कम है। ऐसे अंचलों का प्रतिनिधित्व जिला के दो अंचलों सिंघिया (63.63 प्रतिशत) एवं बिथान (59.30 प्रतिशत) द्वारा होता है। ये दोनों अंचल अध्ययन क्षेत्र का पिछड़ा क्षेत्र है जहॉ शिक्षा पर सरकार को विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

अनुसूचित जाति साक्षरता एवं समग्र जनसंख्या के साथ तुलना

अनुसूचित जातियों की जनसंख्या की साक्षरता का दर सामान्यतः सामान्य जनसंख्या की तुलना में निम्न होता है। अध्ययन क्षेत्र की अनुसूचति जाति की जनसंख्या के साक्षरता दर को तालिका 5.4 में दर्शाया गया है। अनुसूचित जातियों के साक्षरता की दर अध्ययन क्षेत्र में जनगणना वर्ष 2011 के लिए मात्र 48.17 प्रतिशत के लिए परिकलित है जबकि समग्र जनसंख्या के लिए यह दर 61.86 प्रतिशत परिकलित था जो एक बड़े अंतर की ओर इशारा करता है। साक्षर व्यक्ति का सुंदर समाज के निर्माण में बहुत बड़ा योगदान होता है। जिला स्तर से उच्चतर अनुसूचित जाति की साक्षरता वाले अंचल समस्तीपुर, ताजपुर, पुसा, दलसिंहसराय, सरायरंजन, उजियारपुर, मोरवा, रोसड़ा एवं विभूतिपुर अंचल हैं जबकि औसत से निम्नतर साक्षरता दर वाले अंचल पटोरी, विद्यापतिनगर, मोहिउद्दीनगर, कल्याणपुर, हसनपुर, वारिसनगर, शिवाजीनगर, खानपुर, मोहनपुर, सिंधिया एवं बिथान हैं।

तालिका– 4

समस्तीपुर जिला : अनुसूचित जाति के समग्र जनसंख्या की साक्षरता, 2011

क्र.सं.	अंचल	कुल महिला जनसंख्या	< 6 वर्ष आयु की कुल महिला जनसंख्या	महिला साक्षर	साक्षरता प्रतिशत
1	*2*	*3*	*4*	*5*	*6*
1	कल्याणपुर	64241	13406	23401	46.03
2	वारिसनगर	43101	9321	15432	45.68
3	शिवाजीनगर	35459	7625	12230	43.94
4	खानपुर	38539	8576	12458	41.58
5	समस्तीपुर	68349	13638	30876	56.43
6	पुसा	28813	5618	13035	56.20
7	ताजपुर	24907	4761	11335	56.26
8	मोरवा	34783	7362	13405	48.89
9	पटोरी	33223	7232	12395	47.69
10	मोहनपुर	16814	3422	5529	41.29
11	मोहिउद्दीनगर	36258	7755	13457	47.21
12	सरायरंजन	47532	9769	19076	50.52
13	विद्यापतिनगर	30494	6272	11437	47.22
14	दलसिंहसराय	41592	8654	17460	53.01
15	उजियारपुर	55751	11403	22056	49.73
16	विभूतिपुर	59018	12624	22411	48.31
17	रोसड़ा	37043	7984	14188	48.82
18	सिंघिया	44935	10743	14005	40.96
19	हसनपुर	40724	9290	14468	46.03
20	बिथान	21552	5035	6103	36.95
समस्तीपुर जिला		803128	170490	304757	48.17

तालिका 4 के आधार पर समस्तीपुर जिला के समग्र अनुसूचित जातियों की साक्षरता को निम्नलिखित चार श्रेणी वर्गों में बॉटा गया है:

1. **अनुसूचित जातियों की उच्चतम् साक्षरता वाले अंचल :** इस श्रेणी वर्ग का निर्माण वैसे अंचलों से किया गया है जिसमें अनुसूचित जातियों की साक्षरता का दर 55 प्रतिशत से अधिक का पाया गया है। अनुसूचित जाति की उच्चतम् साक्षरता दर वाले संघटक अंचल समस्तीपुर (56.43), ताजपुर (56.26) एवं पुसा (56.20) हैं। समग्र जनसंख्या के लिये भी उच्चतम

साक्षरता के अंचल वे ही हैं जो अनुसूचित जाति के लिए वर्गीकृत किया गया है। परंतु समग्र जनसंख्या के लिए पुसा के अनुसूचित जातियों का साक्षरता दर जहॉ उच्चतम् था वहीं अनुसूचित जातियों के लिये यह स्थान समस्तीपुर अंचल द्वारा हासिल कर लिया गया है जबकि पुसा का स्थान अनुसूचित जातियों के लिये तीसरे स्थान पर पहुँच गया है। ताजपुर जहॉ समग्र जनसंख्या की साक्षरता में तीसरे स्थान पर था वह एक स्थान की छलांग लगाता हुआ दूसरे स्थान पर पहुँच गया है।

2. **अनुसूचित जातियों की उच्च साक्षरता दर वाले अंचल** : अनुसूचित जाति की उच्च साक्षरता दर वाले श्रेणी वर्ग के अंतर्गत उन अंचलों को स्थान प्राप्त है जिनकी साक्षरता का दर 50 प्रतिशत से 55 प्रतिशत के मध्य परिकलित किया गया है। इस श्रेणी वर्ग के अंतर्गत मात्र दो अंचल ही अपना स्थान बना पाये हैं जबकि उच्च साक्षरता वाले श्रेणी वर्ग के लिए समग्र जनसंख्या में यह वर्ग सबसे बड़ा था जिसके अंतर्गत 10 अंचलों ने अपना स्थान बनाया हुआ था। अनुसूचित जातियों के लिए इस श्रेणी वर्ग में स्थान दलसिंहसराय (53.01 प्रतिशत) और सरायरंजन (50.52 प्रतिशत) अंचलों ने हासिल किया है।

3. **अनुसूचित जातियों के मध्यम साक्षरता वाले अंचल** : इस श्रेणी वर्ग में 45 प्रतिशत से 50 प्रतिशत अनुसूचित जातियों की जनसंख्या के साक्षरता वाले को स्थान प्राप्त हैं। इस संघटक अंचल उजियारपुर (49.73 प्रतिशत), मोरवा (48.89 प्रतिशत), रोसड़ा (48.82 प्रतिशत), विभूतिपुर (48.31 प्रतिशत), पटोरी (47.69 प्रतिशत), विद्यापतिनगर (47.22 प्रतिशत), मोहिउद्दीनगर (47.21 प्रतिशत), कल्याणपुर (46.03 प्रतिशत), हसनपुर (46.03 प्रतिशत) एवं वारिसनगर (45.68 प्रतिशत) हैं। मध्यम साक्षरता का श्रेणी वर्ग अनुसूचित जातियों के लिए सबसे बड़ा वर्ग है जिसके अंतर्गत कुल 10 अंचलों को प्रतिनिधित्व प्राप्त है जबकि इसी श्रेणी वर्ग के लिए समग्र जनसंख्या के साक्षरों द्वारा 5 अंचलों को प्रतिनिधित्व प्राप्त था।

4. **अनुसूचित जातियों के निम्न साक्षरता दर वाले अंचल :** इस श्रेणी वर्ग में वैसे अंचलों को प्रतिनिधित्व प्राप्त हुआ है जिसमें अनुसूचित जातियों की जनसंख्या के साक्षरता का दर 45 प्रतिशत से न्यून है। इस श्रेणी वर्ग के निर्माणकारी संघटक शिवाजीनगर (43.94 प्रतिशत), खानपुर (41.58 प्रतिशत), मोहनपुर (41.29 प्रतिशत), सिंधिया (40.96 प्रतिशत) एवं बिथान (36.95 प्रतिशत) है। समग्र जनसंख्या के लिए निम्न साक्षरता दर वाले अंचलों की कुल संख्या मात्र 2 थी।

तुलनात्मक रूप से कहा जा सकता है कि अनुसूचित जातियों की सामान्य साक्षरता समग्र जनसंख्या की सामान्य साक्षरता की तुलना में बहुत ही निम्न है। जहॉ श्रेणी वर्ग के निर्धारण में 10 प्रतिशत का अंतर रखा गया है वहीं वर्गीकरण के विभिन्न मापकों पर भी अंचलवार उनकी साक्षरता निम्नतर पायी गयी है। जिसका प्रमुख कारण सामाजिक–आर्थिक विषमता को माना जा सकता है। हालांकि हाल के वर्षों में सरकारी और गैर–सरकारी प्रयासों के प्रतिफल से अनुसूचित जातियों की साक्षरता दर में काफी सुधार देखे गये हैं परंतु सुधार की अभी और भी संभावना है।

अनुसूचित जाति की पुरूष साक्षरता दर एवं समग्र जनसंख्या के पुरूष साक्षरता दर से तुलना

अध्ययन क्षेत्र के अनुसूचित जातियों के पुरूष साक्षरों को तालिका 5 में दर्शाया गया है।

तालिका– 5

समस्तीपुर जिला : अनुसूचित जाति के पुरूष जनसंख्या की साक्षरता, 2011

क्र.सं.	अंचल	अनुसूचित जाति पुरूष जनसंख्या	< 6 वर्ष आयु की कुल पुरूष जनसंख्या	अनुसूचित जाति पुरूष साक्षर	पुरूष साक्षरता प्रतिशत
1	*2*	*3*	*4*	*5*	*6*
1	कल्याणपुर	33060	6830	14178	54.05
2	वारिसनगर	22376	4833	9304	53.04
3	शिवाजीनगर	18398	3924	7791	53.83
4	खानपुर	19896	4360	7753	49.9
5	समस्तीपुर	35657	6928	18773	65.35
6	पुसा	14969	2866	7812	64.55
7	ताजपुर	13034	2440	6794	64.13
8	मोरवा	18143	3856	8257	57.79
9	पटोरी	17470	3829	7725	56.63

10	मोहनपुर	8992	1804	3517	48.93
11	मोहिउद्दीनगर	19168	4015	8479	55.96
12	सरायरंजन	24512	4996	11542	59.14
13	विद्यापतिनगर	16026	3265	7020	55.01
14	दलसिंहसराय	21703	4386	10743	62.04
15	उजियारपुर	28920	5816	13395	57.98
16	विभूतिपुर	30423	6399	13467	56.06
17	रोसड़ा	19343	4086	8818	57.8
18	सिंघिया	23359	5513	9143	51.23
19	हसनपुर	21222	4731	9080	55.06
20	बिथान	11273	2655	3940	45.72
समस्तीपुर जिला		417944	87532	187531	56.76

तालिका 5 के अवलोकन से स्पष्ट है कि अध्ययन क्षेत्र के अनुसूचित जातियों की जनसंख्या में पुरूषों के साक्षरता का दर 56.76 प्रतिशत है जो समग्र जनसंख्या के पुरूषों की साक्षरता (71.25) के दर से लगभग 15 प्रतिशत न्यून है। जिला औसत दर से उच्चतर साक्षरता दर वाले अंचल समस्तीपुर (65.35 प्रतिशत), पुसा (64.55 प्रतिशत), ताजपुर (64.13 प्रतिशत), दलसिंहसराय (62.04 प्रतिशत), सरायरंजन (59.14 प्रतिशत), उजियारपुर (57.98 प्रतिशत), रोसड़ा (57.80 प्रतिशत) एवं मोरवा (57.79 प्रतिशत) हैं जबकि जिला औसत दर से न्यूनतर साक्षरता दर वाले अंचल पटोरी (56.63 प्रतिशत), विभूतिपुर (56.06 प्रतिशत), मोहिउद्दीनगर (55.96 प्रतिशत), हसनपुर (55.06 प्रतिशत), विद्यापतिनगर (55.01), कल्याणपुर (54.05 प्रतिशत), शिवाजीनगर (53.83 प्रतिशत), वारिसनगर (53.04 प्रतिशत), सिंधिया (51.23 प्रतिशत), खानपुर (49.90 प्रतिशत), मोहनपुर (48.93 प्रतिशत) एवं बिथान (45.72 प्रतिशत) हैं (चित्र–5.5)।

इन ऑकड़ों के आधार पर अनुसूचित जाति जनसंख्या में पुरूषों की साक्षरता दर को निम्नांकित चार श्रेणियों में विभक्त किया गया हैः–

1. **अनुसूचित जातियों के पुरूषों की उच्चतम् साक्षरता दर वाले अंचलः**

इस श्रेणी वर्ग का निर्माण में वैसे अंचलों को सम्मिलित किया गया है जिसमें अनुसूचित जातियों की साक्षरता का दर 65 प्रतिशत से अधिक है। अर्थात् यहॉ भी समग्र पुरूषों की साक्षरता से 10 प्रतिशत न्यून श्रेणी वर्ग का निर्धारण किया गया है। इस श्रेणी वर्ग का निर्माण एकमात्र अंचल समस्तीपुर (65.35 प्रतिशत) द्वारा हुआ है। जबकि समग्र जनसंख्या के लिये इस श्रेणी वर्ग में तीन अंचलों पुसा, समस्तीपुर एवं ताजपुर ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी थी। अतः समग्र जनसंख्या से अनुसूचित जाति के पुरूषों की साक्षरता दर में बहुत बड़ा अंतर देखने को मिल रहा है।

2. **अनुसूचित जातियों के पुरूषों की उच्च साक्षरता दर वाले अंचलः**

अनुसूचित जाति के पुरूषों की 60–65 प्रतिशत की साक्षरता दर वाले अंचलों को उच्च साक्षरता दर के श्रेणी वर्ग में वर्गीकृत किया गया है। इसके निर्माणकारी संघटक अंचल मात्र तीन पुसा (64.55 प्रतिशत), ताजपुर (64.13 प्रतिशत) एवं दलसिंहसराय (62.04 प्रतिशत) हैं जबकि समग्र जनसंख्या के लिये यह वर्ग सबसे बड़ा वर्ग था जिसके निर्माणकारी संघटक अंचलों की कुल संख्या 10 थी। अतः इस श्रेणी वर्ग में भी समग्र जनसंख्या ने अपना वर्चस्व कायम रखा है।

3. **अनुसूचित जातियों के पुरूषों की मध्यम साक्षरता दर वाले अंचलः** इस श्रेणी वर्ग के अंतर्गत वैसे अंचलों को स्थान दिया गया है जिनमें पुरूषों की साक्षरता दर 55 प्रतिशत से 60 प्रतिशत के बीच परिकलित किया गया है। यह श्रेणी वर्ग अध्ययन क्षेत्र के अनुसूचित जाति के पुरूषों का सबसे बड़ा वर्ग है। इस श्रेणी वर्ग का प्रतिनिधित्व सरायरंजन (59.14 प्रतिशत), उजियारपुर (57.98 प्रतिशत), रोसड़ा (57.80 प्रतिशत), मोरवा (57.79 प्रतिशत), पटोरी (56.63 प्रतिशत), विभुतिपुर (56.06 प्रतिशत), मोहिउद्दीनगर (55.96 प्रतिशत), हसनपुर (55.06 प्रतिशत) एवं विद्यापतिनगर (55.01 प्रतिशत) अर्थात् कुल 9 अंचलों द्वारा होता है जबकि समग्र जनसंख्या के लिए इस श्रेणी वर्ग में मात्र चार अंचलों वारिसनगर, कल्याणपुर, हसनपुर एवं खानपुर को स्थान मिला था।

4. **अनुसूचित जातियों के पुरूषों की निम्न साक्षरता दर वाले अंचलः** निम्न साक्षरता दर की श्रेणी वर्ग का निर्माण वैसे अंचलों से किया गया है अनुसूचित जाति के पुरूषों की साक्षरता दर 55 प्रतिशत से कम पायी गयी है। ऐसे अंचलों का प्रतिनिधित्व जिला के सात अंचलों अर्थात् कल्याणपुर (54.05 प्रतिशत), शिवाजीनगर (53.83 प्रतिशत), वारिसनगर (53.04

प्रतिशत), सिंधिया (51.23 प्रतिशत), खानपुर (49.90 प्रतिशत), मोहनपुर (48.93 प्रतिशत) एवं बिथान (45.72 प्रतिशत) द्वारा होता है। समग्र जनसंख्या के पुरूषों में इनका प्रतिनिधित्व मात्र तीन अंचलों द्वारा हुआ है।

अनुसूचित जाति की महिला साक्षरता दर एवं समग्र जनसंख्या के महिला साक्षरता दर से तुलना

अध्ययन क्षेत्र के अनुसूचित जातियों के पुरूष साक्षरों को तालिका 6 में दर्शाया गया है।

तालिका– 6

समस्तीपुर जिला : अनुसूचित जाति की महिला जनसंख्या की साक्षरता, 2011

क्र.सं.	अंचल	अनुसूचित जाति महिला जनसंख्या	< 6 वर्ष आयु की कुल महिला जनसंख्या	अनुसूचित जाति महिला साक्षर	महिला साक्षरता प्रतिशत
1	*2*	*3*	*4*	*5*	*6*
1	कल्याणपुर	31181	6576	9223	37.48
2	वारिसनगर	20725	4488	6128	37.74
3	शिवाजीनगर	17061	3701	4439	33.23
4	खानपुर	18643	4216	4705	32.61
5	समस्तीपुर	32692	6710	12103	46.58
6	पुसा	13844	2752	5223	47.09
7	ताजपुर	11873	2321	4541	47.54
8	मोरवा	16640	3506	5148	39.2
9	पटोरी	15753	3403	4670	37.81
10	मोहनपुर	7822	1618	2012	32.43
11	मोहिउद्दीनगर	17090	3740	4978	37.29
12	सरायरंजन	23020	4773	7534	41.29
13	विद्यापतिनगर	14468	3007	4417	38.54
14	दलसिंहसराय	19889	4268	6717	43.00
15	उजियारपुर	26831	5587	8661	40.77
16	विभूतिपुर	28595	6225	8944	39.98
17	रोसड़ा	17700	3898	5370	38.91
18	सिंघिया	21576	5230	4862	29.74
19	हसनपुर	19502	4559	5388	36.06
20	बिथान	10279	2380	2163	27.38
समस्तीपुर जिला		385184	82958	117226	38.79

तालिका 6 के अवलोकन से स्पष्ट है कि अध्ययन क्षेत्र के अनुसूचित जातियों की जनसंख्या में महिलाओं की साक्षरता का दर 38.79 प्रतिशत है जो समग्र जनसंख्या के महिलाओं की की साक्षरता (51.51 प्रतिशत) से लगभग 13 प्रतिशत न्यून है। जिला औसत दर से उच्चतर साक्षरता दर वाले अंचल ताजपुर (64.13 प्रतिशत), पुसा (64.55 प्रतिशत), समस्तीपुर (65.35 प्रतिशत), दलसिंहसराय (62.04 प्रतिशत), सरायरंजन (59.14 प्रतिशत), उजियारपुर (57.98 प्रतिशत), विभूतिपुर (56.06 प्रतिशत), मोरवा (57.79 प्रतिशत) एवं रोसड़ा (57.80 प्रतिशत) हैं जबकि जिला औसत दर से न्यूनतर साक्षरता दर वाले अंचल विद्यापतिनगर (55.01), पटोरी (56.63 प्रतिशत), वारिसनगर (53.04 प्रतिशत), कल्याणपुर (54.05 प्रतिशत), मोहिउद्दीनगर (55.96 प्रतिशत), हसनपुर (55.06 प्रतिशत), शिवाजीनगर (53.83 प्रतिशत), खानपुर (49.90 प्रतिशत), मोहनपुर (48.93 प्रतिशत), सिंधिया (51.23 प्रतिशत) एवं बिथान (45.72 प्रतिशत) हैं (चित्र–5.6)।

इन ऑकड़ों के आधार पर अनुसूचित जाति जनसंख्या में महिलाओं की साक्षरता दर को निम्नांकित चार श्रेणी वर्गों में विभक्त किया गया है:–

1. **अनुसूचित जातियों के महिलाओं की उच्चतम् साक्षरता दर वाले अंचलः** इस श्रेणी वर्ग का निर्माण में वैसे अंचलों को सम्मिलित किया गया है। अध्ययन क्षेत्र में महिलाओं की साक्षरता का दर समग्र जनसंख्या के लिए हो या अनुसूचित जाति की जनसंख्या के लिए दोनों ही में महिलाओं की साक्षरता का दर पुरूषों की तुलना में बहुत ही कम है। अनुसूचित जातियों की महिलाओं के उच्चतम् साक्षरता दर वाले श्रेणी वर्ग का निर्माण वैसे अंचलों द्वारा हुआ है जिसमें अनुसूचित जाति की महिलाओं की साक्षरता का दर 45 प्रतिशत से अधिक पाया गया है। अर्थात् पुरूषों की तुलना में महिलाओं की साक्षरता के दर को 20 प्रतिशत कम करके उच्चतम् श्रेणी वर्ग का निर्माण किया गया है। इस श्रेणी वर्ग के अंतर्गत प्रथम स्थान पर पहली बार ताजपुर अंचल ने 47.54 प्रतिशत की महिला साक्षरता के साथ प्रथम स्थान दर्ज किया है जबकि दूसरे स्थान पर पुसा का क्रम आया है जिसमें अनुसूचित जाति की महिलाओं की साक्षरता का दर 47. 09 प्रतिशत है जबकि इस श्रेणी वर्ग में सबसे अंतिम स्थान पर समस्तीपुर अंचल ने अपना कब्जा जमाया हुआ है जिसके अनुसूचित जातियों की महिलाओं के साक्षरता का दर मात्र 46.58 प्रतिशत है जबकि यह जिला का मुख्यालय भी है और पठन–पाठन की सबसे अच्छी सुविधा जिला मुख्यालय में ही उपलब्ध है। समग्र जनसंख्या की महिलाओं में प्रथम स्थान समस्तीपुर अंचल ने दर्ज किया था। इसका तात्पर्य यह है कि अध्ययन क्षेत्र में साक्षरता के लिये चलाये जा रहे सरकारी और गैर–सरकारी कार्यक्रमों का कार्यान्वयन अनुसूचित जाति की महिलाओं द्वारा अपेक्षानुरूप अमल में नहीं लाया जा रहा है।

2. **अनुसूचित जातियों के महिलाओं की उच्च साक्षरता दर वाले अंचलः**
अनुसूचित जाति के महिलाओं की 40–45 प्रतिशत की साक्षरता दर वाले अंचलों को उच्च साक्षरता दर के श्रेणी वर्ग में वर्गीकृत किया गया है। इसके निर्माणकारी संघटक अंचल मात्र तीन दलसिंहसराय (46.58 प्रतिशत), सरायरंजन (43.00 प्रतिशत) एवं उजियारपुर (41.29 प्रतिशत) हैं जबकि समग्र जनसंख्या के लिये यह वर्ग सबसे बड़ा वर्ग था जिसके निर्माणकारी संघटक अंचलों की कुल संख्या 9 थी। अतः इस श्रेणी वर्ग में भी समग्र जनसंख्या की महिला बहुत बड़े अंतर से वर्चस्व कायम किया हुआ है।

3. **अनुसूचित जातियों की महिलाओं की मध्यम साक्षरता दर वाले अंचलः** इस श्रेणी वर्ग के अंतर्गत वैसे अंचलों को स्थान दिया गया है जिनमें पुरूषों की साक्षरता दर 35 प्रतिशत से 40 प्रतिशत के बीच परिकलित किया गया है। यह श्रेणी वर्ग अध्ययन क्षेत्र के अनुसूचित जाति की महिलाओं का सबसे बड़ा वर्ग है। इस श्रेणी वर्ग को प्रतिनिधित्व जिला के विभुतिपुर (39.98 प्रतिशत), मोरवा (39.20 प्रतिशत), रोसड़ा (38.91 प्रतिशत), विद्यापतिनगर (38.54 प्रतिशत), वारिसनगर (37.81 प्रतिशत), पटोरी (37.74 प्रतिशत), कल्याणपुर (37.48 प्रतिशत), मोहिउद्दीनगर (37.29 प्रतिशत) एवं हसनपुर (36. 06 प्रतिशत) अर्थात् कुल 9 अंचलों द्वारा होता है जबकि समग्र जनसंख्या के लिए इस श्रेणी वर्ग में मात्र पॉच अंचलों कल्याणपुर (49.42 प्रतिशत), खानपुर (46.87 प्रतिशत), मोहनपुर (46.23 प्रतिशत), शिवाजीनगर (45.73 प्रतिशत) एवं हसनपुर (45.52 प्रतिशत) को स्थान मिला था।

4. **अनुसूचित जातियों के पुरूषों की निम्न साक्षरता दर वाले अंचलः** निम्न साक्षरता दर की श्रेणी वर्ग का निर्माण वैसे अंचलों से किया गया है अनुसूचित जाति के महिलाओं का साक्षरता दर 35 प्रतिशत से कम पायी गयी है। ऐसे अंचलों का प्रतिनिधित्व जिला के पॉच अंचलों अर्थात् शिवाजीनगर (33.23 प्रतिशत), खानपुर (32.61 प्रतिशत), मोहनपुर (32.43 प्रतिशत), सिंधिया (29.74 प्रतिशत) एवं बिथान (27.38 प्रतिशत) द्वारा होता है। समग्र जनसंख्या के महिलाओं में इस श्रेणी वर्ग को मात्र दो अंचलों द्वारा प्रतिनिधित्व प्राप्त था।

साक्षरता दर (अनुसूचित जनजाति) (चित्र–5.7)

समस्तीपुर जिला के अनुसूचित जनजातियों की साक्षरता को तालिका 7 में दर्शाया गया है।

तालिका– 7

समस्तीपुर जिला : अनुसूचित जनजाति जनसंख्या की साक्षरता, 2011

क्र.सं.	अंचल	< 6 वर्ष की अ.ज. जा. समग्र जनसंख्या	< 6 वर्ष की अ.ज. जा. पुरूष जन.	< 6 वर्ष की अ.ज. जा. महिला जन.	अ.ज. जा. समग्र साक्षर जन.	अ.ज. जा. पुरूष साक्षर जन.	अ.ज. जा. महिला साक्षर जन.	समग्र साक्षरता प्रतिशत	पुरूष साक्षरता प्रतिशत	महिला साक्षरता प्रतिशत
1	*2*	*3*	*4*	*5*	*6*	*7*	*8*	*9*	*10*	*11*
1	कल्याणपुर	9	4	5	21	10	11	31.34	33.33	29.73

2	वारिसनगर	43	15	28	51	32	19	34.93	39.02	29.69
3	शिवाजीनगर	8	5	3	7	4	3	10.94	13.33	8.82
4	खानपुर	6	2	4	14	7	7	38.89	41.18	36.84
5	समस्तीपुर	59	31	28	491	269	222	90.93	96.42	85.06
6	पुसा	14	11	3	44	25	19	74.58	73.53	76.00
7	ताजपुर	0	0	0	7	3	4	63.64	60.00	66.67
8	मोरवा	18	7	11	38	20	18	46.91	45.45	48.65
9	पटोरी	5	2	3	23	17	6	58.97	65.38	46.15
10	मोहनपुर	4	1	3	6	4	2	46.15	57.14	33.33
11	मोहिउद्दीन गर	4	2	2	9	6	3	69.23	85.71	50.00
12	सरायरंजन	19	10	9	38	28	10	60.32	73.68	40.00
13	विद्यापतिनग र	2	2	0	11	8	3	61.11	72.73	42.86
14	दलसिंहसरा य	34	17	17	92	48	44	57.50	59.26	55.70
15	उजियारपुर	23	10	13	41	24	17	44.57	53.33	36.17
16	विभूतिपुर	36	21	15	44	25	19	44.44	51.02	38.00
17	रोसड़ा	15	8	7	14	8	6	53.85	57.14	50.00
18	सिंघिया	5	2	3	8	7	1	47.06	63.64	16.67
19	हसनपुर	4	2	2	14	7	7	66.67	87.50	53.85
20	बिथान	4	2	2	2	1	1	28.57	33.33	25.00
समस्तीपुर जिला		315	158	163	981	560	430	62.02	67.36	56.19

जैसा के पूर्व के अध्याय में वर्णित है कि अनुसूचित जाति की जनसंख्या समस्तीपुर जिला में या तो प्रवासी मजदूर के रूप में कार्यरत हैं या सरकारी व गैर–सरकारी कार्यालयों में कार्यरत हैं। साक्षरता तालिका पर एक विहंगम दृष्टि डालने से भी प्रतीत होता है कि शहरी क्षेत्रों में अनुसूचित जनजातियों की जनसंख्या के साक्षरता का प्रतिशत दर उच्च है जबकि ग्रामीण अंचलों में उनकी साक्षरता का दर न्यून से न्यूनतर है। समग्र जनसंख्या के लिए अनुसूचित जाति की जनसंख्या के साक्षरता का प्रतिशत सबसे अधिक 90.93 प्रतिशत परिकलित है जो समस्तीपुर अंचल में पाया जाता है। समस्तीपुर अंचल में ही जिला का मुख्यालय होने के कारण लगभग सभी विभागों का एक कार्यालय अवश्य ही उपलब्ध है और अनुसूचित जाति की जो भी जनसंख्या शहर में निवास करती है वे किसी न किसी सरकारी विभाग में कार्यरत हैं या फिर गैर–सरकारी कार्यालयों में। वहीं दूसरी ओर सबसे कम साक्षरता 10.94 प्रतिशत शिवाजीनगर अंचल में परिकलित किया गया है जोकि पूर्णतः एक ग्रामीण क्षेत्र है और वहॉ अनुसूचित जाति की जनसंख्या प्रवासी मजदूर के रूप में आये हुये हैं और यहीं बस गये हैं। पुरूष और महिला साक्षरता का भी यही अंतरीय अध्ययन क्षेत्र के अंतर्गत देखा जा रहा है।

सन्दर्भ :–

[1] त्यागी, एन. (2005) रेसिडेन्सियल इन्भायरनमेंट ऑफ दी गोरखपुर म्यूनिसिपल एरिया, जियोग्राफिकल रिभ्यू ऑफ इंडिया

[2] चंदना, आर.सी. (1986) ए जियोग्राफी ऑफ पोपुलेशन, कॉन्सेप्ट्स, डिटरमेनेन्ट्स एंड पैटर्न, कल्याणी पब्लिशिंग हाउस, देलही

[3] चन्द्रशेखर, एस. (1970) इंडियाज पोपुलेशन : फैक्ट्स, प्रौब्लेम्स एंड पॉलिसी, मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ

[4] डेविस, के. (1951) दि पोपुलेशन ऑफ इंडिया एंड पाकिस्तान

[5] डॉ0 अर्जुन दास केसरी : ''आदिवासी जीवन'' लोक रूचि प्रकाशन, राबर्ट्सगंज,

[6] सोनभद्र डॉ0 हरिश्चन्द्र (1997) भारतीय जनजातियॉ, जयपुर, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी।

[7] भट्टाचार्या, ए. (1978), पोपुलेशन जियोग्राफी ऑफ इंडिया, श्री पब्लिशिंग हाउस, न्यू देलही, पृ.पृ. 126

[8] ज्ञानचंद (1944) दि प्रौब्लेम ऑफ पोपुलेशन इन इंडिया, बॉम्बे

[9] चौहान, ए. एंड सिंह जगदीश (2012) स्पैसियल डिस्ट्रीब्यूशन ऑफ पोपुलेशन इन हनुमानगढ़ डिस्ट्रीक्ट (राजस्थान), उत्तर प्रदेश जियोग्राफिकल जर्नल, भौ. 17

[10] चंदना, आर.सी. एंड सिद्धु, एम.एस. (1980) इन्ट्रोडक्शन टू पोपुलेशन जियोग्राफी, देलही

[11] क्लार्क, जोन. आई. (1965) पोपुलेशन जियोग्राफी, पर्गमॉन प्रेस, आक्सफोर्ड